पीड़ा निवारण के लिए उभरी संवेदना और प्रगतिपथ पर प्रशस्त हुआ समाज

बुंदेलखण्ड में भीषण सूखे की मार
पीड़ितों की सेवा-सहायता में जुटा गायत्री परिवार

लखनऊ (उत्तर प्रदेश)

उत्तर प्रदेश का पूरा बुन्देलखण्ड क्षेत्र पिछले चार वर्षों से सूखे की भीषण त्रासदी झेल रहा है। खेत बंजर हो गये हैं। न मवेशियों के लिए चारा-पानी है और न ही किसान के लिए पेट भरने को रोटी। मजदूरी करके बसर करने को मजबूर किसान, सेठ-साहूकारों के कर्ज वसूली के तकादे से परेशान अपनी बहन-बेटियों की शादी-ब्याह तक नहीं कर पा रहे हैं। इन कठिनाइयों से उबरने के लिए कोई अपनी कोख से पैदा संतान को बेच रहा है तो कोई मवेशियों को मुफ्त देने को तैयार है। जिसको कोई रास्ता नहीं सूझता, वह अपनी जीवन लीला समाप्त करके कठिनाइयों से पीछा छुड़ाने को तैयार है।

ऐसी विकट स्थिति में शांतिकुंज, हरिद्वार की आपदा प्रबंधन समिति ने इस वसंत पर्व से गायत्री परिवार की जोन-उपजोन की इकाइयों के साथ मिलकर बुंदेलखण्ड के सातों जिलों (बांदा, महोबा, हमीरपुर, झाँसी, चित्रकूट, ललितपुर एवं जालौन) में युद्ध स्तर पर आपदा राहत कार्य आरंभ कर दिये हैं। बाँदा, हमीरपुर तथा महोबा में स्थिति के आकलन और जरूरतमंदों के सर्वेक्षण का कार्य चल पड़ा है, जबकि अन्य जिलों में यह कार्य शीघ्र ही आरंभ हो जायेगा।

वसंत पर्व से आरंभ हुए अभियान के पहले चरण में गायत्री परिवार के आपदा प्रबंधन दल मेजर वी. के. खरे के नेतृत्व में पाँच गाड़ियों में राहत सामग्री लेकर बाँदा जिले के बबेरू, मकासिन क्षेत्र के गाँव मुरवल, पल्हरी, देवरथा, नारायणपुर, कमासिन, गौरीपुरवा आदि गाँव पहुँचा। दल ने इन गाँवों में भूख से बेहाल परिवारों को तत्काल राशन, चिकित्सा आदि की सहायता उपलब्ध करायी। गाँव-गाँव में सूखे पड़े हैण्डपम्प, भूख से तड़पते लोग, बिजली का अभाव, दम तोड़ते मवेशियों की दर्दनाक स्थिति से प्रशासन को तो अवगत कराया ही, समाचार माध्यमों से भी जन संवेदना जुटाने का सफल प्रयास किया है।

१५ फरवरी को गायत्री शक्तिपीठ बाँदा पर एक बैठक हुई, जिसमें सर्वश्री अखिलेश कुमार निगम, ओमप्रकाश अग्रवाल-एडवोकेट, श्रीमती रामजानकी शुक्ला, रामप्रकाश खरे, रामराज सिंह, राधेश्याम पटेल, राममूर्ति सिंह, रामचंद्र गुप्त तथा रविशंकर गुप्ता का समावेश करते हुए एक स्थानीय आपदा प्रबंधन समिति का गठन किया गया। इस समिति ने सूखे से सर्वाधिक प्रभावित बबेरू के रगौली ग्राम में प्रथम सूखा राहत केन्द्र स्थापित करने का निर्णय लिया। यह केन्द्र देवरथा, मुरवल, अनौसा, बसण्डा तथा केलहुआँ गाँवों में आपदा राहत कार्यों का संचालन करेगा। ☯

बुंदेलखण्ड में गायत्री शक्तिपीठ, कुर्सी रोड़ द्वारा सूखा राहत कार्य बाँदा जिले के रगौली क्षेत्र से आरंभ किया गया। तत्पश्चात् शांतिकुंज की आपदा प्रबंधन इकाई उत्तर जोन के प्रभारी श्री वीरेन्द्र तिवारी के नेतृत्व में इन राहत कार्यों का संचालन कर रही है। स्थानीय आपदा प्रबंधन केन्द्र के प्रभारी श्री अखिलेश कुमार निगम के अनुसार अकेले रगौली केन्द्र पर ३०० परिवार और १००० जानवरों की स्थिति बहुत खराब है। केवल जानवरों के लिए प्रति १० दिन के लिए पाँच ट्रक भूसे की व्यवस्था की जा रही है, जिसकी कीमत १,७५,००० रुपये है।

गायत्री परिवार द्वारा चलाये जा रहे राहत कार्यों की प्राथमिकताएँ हैं-

(१) सूखे के प्रकोप की प्राथमिकता के आधार पर गाँवों का सर्वेक्षण कर जरूरतमंदों को चिह्नित तथा सूचीबद्ध किया जाना। (२) भुखमरी के कगार पर पहुँचे घर-परिवारों को १५ दिन का राशन उपलब्ध कराकर उनकी स्थिति से जिला प्रशासन को अवगत कराया जा रहा है। (३) चारे के अभाव में मर रहे पशुओं-मवेशियों को चारा उपलब्ध कराना। (४) गर्भवती बहिनों और बीमारों के लिए दवाई की व्यवस्था करना। (५) पेयजल की व्यवस्था के लिए प्रशासन के साथ मिलकर प्रयास किये जारहे हैं। (६) पंच कुण्डीय यज्ञों का आयोजन कर असमर्थ तथा इच्छुक लोगों के बेटे-बेटियों के पूर्व निर्धारित विवाह सम्पन्न कराये जा रहे हैं।

सात जिलों में सूखे की भीषण मार का सामना करना निःसंदेह बहुत बड़ी चुनौती है। सरकारी संस्थाएँ तो ऐसी स्थिति में अपने तरीके से ही काम करती हैं, बेसहारों को सच्चा सहारा तो उदारमना सेवाभावी संवेदनशील सहृदय महानुभाव ही होते हैं। ऐसे महामनाओं से विनम्र अनुरोध है कि वे परमात्मा की दी हुई सामर्थ्य का सदुपयोग करने में अग्रणी रहें और अपने समय, धन, साधन का यथासंभव अंश ***'श्री वेदमाता गायत्री ट्रस्ट शांतिकुंज, हरिद्वार (उत्तराखण्ड)'*** *के माध्यम से भी पीड़ितों तक पहुँचायें। परिजन अपनी सहयोग राशि निम्न बैंकों की कम्प्यूटरीकृत शाखाओं में सीधे जमा कर उसकी काउण्टर स्लिप शांतिकुंज को भेज सकते हैं।*

बैंक ऑफ बड़ौदा-	09260100004639
पंजाब नेशनल बैंक-	3129010100000018
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया-	10876858311
एक्सिस बैंक-	156010100013846

नोट : *उपरोक्त खातों में शांतिकुंज को आपदा राहत कार्यों में सहयोग, दान, साहित्य का ऑर्डर, अखण्ड ज्योति (अंग्रेजी, मराठी, उड़िया) तथा प्रज्ञा अभियान (हिंदी, गुजराती, बंगला) पत्रिकाओं का चंदा जैसे सभी मदों के लिए धनराशि जमा करायी जा सकती है। सावधानी रखें कि प्रत्येक मद के लिए अलग-अलग स्लिप से धनराशि जमा करें, एकसाथ नहीं। अपनी काउण्टर स्लिप उसके प्रयोजन की जानकारी के साथ शांतिकुंज को तत्काल भेज दें।*

सूखे से धरती फटी

बाँदा जिले के गाँवों में सूखे से धरती फटने की घटनाओं ने लोगों में भय का वातावरण बन गया। गायत्री परिवार के आपदा प्रबंधन दल ने मटौंध के अचारन थोक में फटी धरती का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया। इस घटना में धरती में पड़ी १२ फीट गहरी और १०० मीटर लम्बी दरार ने लोगों के घर-खलिहानों को भी चीर दिया है। गाँव के चेअरमेन ने इस संबंध की मुनादी कराकर फटी धरती की बेरिकेटिंग करा दी है।

आदर्श ग्राम विकास योजना को गति देता प्रांतीय संगठन

पाटन, दुर्ग (छत्तीसगढ़)

छत्तीसगढ़ के जोनल संगठन ने वर्ष २००७ के अंतिम सप्ताह में आदर्श ग्राम विकास योजना के प्रशिक्षण के लिए शांतिकुंज से आयी एक बड़ी टोली के साथ मिलकर जो अभियान प्रारंभ किया था, उसे आगे बढ़ाते हुए ६ जनवरी को पाटन ब्लॉक के सांकरा ग्राम में आदर्श ग्राम विकास योजना का सफल क्रियान्वयन किया। शांतिकुंज से ही सांकरा ग्राम पहुँचे श्री कामता प्रसाद साहू के मार्गदर्शन में दुर्ग, रायपुर एवं राजनांदगाँव के सैकड़ों परिजनों ने इसमें भाग लिया। गाँव के सरपंच सहित महिलाएँ-बच्चे सभी हर कार्य में उत्साह के साथ सक्रिय रहे।

सांकरा गाँव में ग्राम सफाई के साथ हैण्ड पम्पों पर सोखता गड्ढे बनाये गये। रायपुर के डॉ. पी.के. अग्रवाल एवं शासकीय आयुर्वेद औषधालय, तर्रा के डॉ. कमल सिंह चन्द्राकर ने १०५ मरीजों का परीक्षण कर उन्हें दवाइयाँ प्रदान कीं। गाँववासियों को वॉशिंग पाउडर, अमृतधारा, मोमबत्ती आदि बनाना सिखाया गया और जड़ी-बूटी चिकित्सा की जानकारी दी गयी। सायंकाल दीपयज्ञ के समय कृषि वैज्ञानिक डॉ. एम.के.सिंह ने ग्रामीणों को कृषि संबंधी उपयोगी जानकारी दी। गाँव की ओर से सरपंच श्री धरमलाल पारधी, उप सरपंच श्री सुरेश शर्मा तथा महिला मण्डल की बहिनें अग्रणी रहीं, वहीं रायपुर जोन के प्राय: सभी वरिष्ठ प्रतिनिधि डॉ. अरुण मढ़रिया, सर्वश्री रामपाल कौशिक, राधेश्याम तुरकर, डॉ. ए. आर. मढ़रिया, विवेक सुरंगे, कृष्ण कुमार, विनोद, सोनऊराम प्रजापति, हरीश गाँधी आदि ने उपस्थित रहकर समग्र अभियान को बल प्रदान किया। माता भगवती वात्सल्य निकेतन के बच्चों की फेरी गाँववासियों के लिए आकर्षण का केन्द्र रही। ☯

गायत्री यज्ञ से निकली जलधारा

मैहर, सतना (मध्य प्रदेश) - विद्या विस्तार कार्यक्रम शृंखला के अंतर्गत ८ से १० फरवरी की तारीखों में मैहर से १२ किमी. दूर हरदासपुर गाँव में पाँच कुण्डीय यज्ञ निर्धारित था। मैहर तो क्या, पूरा विंध्य क्षेत्र इन दिनों सूखे का प्रकोप झेल रहा था। यज्ञ में एक किलो मीटर दूर से पानी लाकर पीने के पानी की व्यवस्था बनायी जा रही थी। लोगों में अकूत आस्था और भरपूर उत्साह दिखाई दे रहा था।

यज्ञ से एक दिन पूर्व हल्की बूँदा-बाँदी हुई। सबसे बड़ा आश्चर्य तो तब हुआ जब कलश यात्रा के दिन रात में यज्ञ स्थल के पास ५० मीटर दूरी पर पत्थरों के एक गड्ढे से एक जलधारा फूट पड़ी। लोग इसे गुरुजी-माताजी एवं माँ गायत्री की कृपा से फूटी साक्षात गंगा की धारा मानते हैं। उसी के जल से बड़े उत्साह के साथ यज्ञ सम्पन्न हुआ। इस दैवी अनुकम्पा से अभिभूत गाँववासी अपने को धन्य मानते रहे। इसके संचालन के लिए सतना से सर्वश्री एस.के. पाण्डेय जगदीश प्रसाद सिंह, लक्ष्मण यादव तथा मैहर से श्री अतुल द्विवेदी की टोली पहुँची थी।

वैवाहिक कुंभ में कन्याभ्रूण संरक्षण के संकल्प कराये

पंचकूला, अम्बाला (हरियाणा)

अंबाला मण्डल प्रशासन तथा अग्रवाल कल्याण संघ, पंचकूला के सामूहिक प्रयास से वसंत पर्व पर २३५ हिंदू, ११ मुस्लिम एवं २९ सिक्ख जोड़ों का सामूहिक विवाह संस्कार सम्पन्न हुआ। इस विशाल वैवाहिक कुंभ में लगभग २५ हजार लोग उपस्थित थे। शांतिकुंज पुरोहितों द्वारा नारी की गौरव-गरिमा बढ़ाने और कन्या भ्रूण हत्या को रोकने के लिए कर्मकाण्ड के साथ किये गये प्रयासों से प्रभावित होकर कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं केन्द्रीय आवास मंत्री कु.शैलजा ने इसे नारी उत्कर्ष की दिशा में किया गया एक आदर्श प्रयास बताया।

कार्यक्रम का आरंभ अम्बाला के आयुक्त द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ। हिन्दू विवाहों का सामूहिक संचालन शांतिकुंज से पहुँची श्री सुखदेव शास्त्री की टोली ने पूरे विधि-विधान की विवेक सम्मत व्याख्या के साथ किया। गायत्री परिवार के लगभग १०० परिजनों ने चण्डीगढ़ के सर्वश्री बृजमोहन गुप्ता, प्रकाश चंद्र शर्मा, के.के. शर्मा, अशोक भारद्वाज, मंगतराम शर्मा, डी.डी.शर्मा आदि के मार्गदर्शन में उपाचार्य की भूमिका निभाई। अग्रवाल कल्याण संघ, रोटरी लायन्स क्लब एवं अन्य संस्थाओं के उदार सहयोग से प्रत्येक जोड़े को ४०-४० रुपये के गृहोपयोगी उपहार दिये गये। ☯

शांतिकुंज ने मजबूत की दाम्पत्य जीवन की डोर

वर रोहित प्रकाश व वधु यांग मेंग

गायत्री तीर्थ-शांतिकुंज की यज्ञशाला में जयपुर (राजस्थान) निवासी श्री जी.के.श्रीवास्तव तथा श्रीमती रेखा श्रीवास्तव के चीन में रहने वाले सुपुत्र चि. रोहित प्रकाश का विवाह चीन की मूल निवासी यांग मेंग (अब सौ.प्रिया श्रीवास्तव) के साथ सम्पन्न हुआ। चि. रोहित प्रकाश के अनुसार उन्होंने अपनी धर्मपत्नी को भारतीय अध्यात्म की गहराई, यहाँ की वैदिक परम्परा, मानव मूल्यों का परिचय कराने के लिए शांतिकुंज में विवाह कराने का निश्चय किया था। इस तीन घण्टे के वैवाहिक कर्मकाण्ड ने दोनों के परस्पर समर्पण को मजबूती प्रदान की। प्रत्येक कर्मकाण्ड की उपयोगिता और आवश्यकता को अंग्रेजी में समझते हुए वे बड़े ही दत्तचित्त एवं भाव विभोर थे। विवाह के बाद लोगों का आशीर्वाद पाने की परम्परा भी उन्हें भावविभोर करने वाली थी। ☯

जन पुरोहित प्रशिक्षण योजना के बढ़ते चरण

छिन्दवाड़ा (मध्य प्रदेश)

जिला जेल छिन्दवाड़ा में एक मासीय जन पुरोहित प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न हुआ। दिनांक ६ जनवरी को इसके अंतर्गत सामूहिक गायत्री यज्ञ का आयोजन हुआ, जिसका संचालन प्रशिक्षित बंदियों ने ही किया था। इस अवसर पर पाँच बंदियों-नमन भैयाजी, हेमराज धनू, विश्वेश्वर नारायण, नामदेव भैयाजी, शिवप्रकाश, प्रभुनाथ ने अपना यज्ञोपवीत-दीक्षा संस्कार कराया। यज्ञ में शक्तिपीठ के प्रमुख ट्रस्टी श्री प्रेमकुमार काबरा तथा जेल अधीक्षक श्री लाल प्रमोद सिंह, जेलर बहादुर सिंह, दान बहादुर सिंह प्रमुख रूप से उपस्थित थे। प्रशिक्षण पं. जी.सी. दुबे ने प्रदान किया।

पीठ पर चिकित्सा सेवाएँ

आरा भोजपुर (बिहार)

युगऋषि परम पूज्य पं.श्रीराम शर्मा आचार्य जी के युगनिर्माण आन्दोलन को समर्पित सुप्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. जीत शर्मा (स्त्री रोग विशेषज्ञ) की सेवा भावना से आरा के सैकड़ों जरूरतमंद लाभान्वित हो रहे हैं। सदर अस्पताल की विशेषज्ञ चिकित्सक एवं चार मंजिला निजी अस्पताल की मालिक डॉ. जीत शर्मा प्रत्येक रविवार प्रात: ८ से १० बजे तक गायत्री शक्तिपीठ आरा पर निःशुल्क सेवाएँ प्रदान कर रही हैं। उनके अलावा शक्तिपीठ के चिकित्सालय में मरीजों को श्री अच्युतानन्द सिंह के माध्यम से होम्योपैथिक चिकित्सा का लाभ भी मिल रहा है।

गोशाला स्थापना का संकल्प

पटना (बिहार)

कामधेनु प्रज्ञा मण्डल, मनेर, पटना की भूमि पर वसंत पर्व गोशाला स्थापना संकल्प पर्व के रूप में मनाया गया, जिसमें लगभग ५०० लोगों ने भाग लिया। इसमें अनेक संस्थाओं के समाजसेवी, कई पंचायतों एवं वार्डों के प्रतिनिधियों, शिक्षकों तथा बुद्धिजीवी भी शामिल थे। इस अवसर पर गाय माता का विशेष पूजन किया गया। समन्वयक श्री विश्व विजय के अनुसार आयोजन में वहाँ चल रहे कुटीर उद्योग में निर्मित डिटर्जेंट पाउडर, दंत मंजन, अगरबत्ती आदि का प्रदर्शन एवं विक्रय किया गया। ☯

जब हम असहायों की ओर से मुँह मोड़कर चलते हैं, तो हम ईश्वर की पुकार का निरादर कर रहे होते हैं।